जनवरी २०२४
अंक २३

ज्ञानोदय प्रभा

गणतंत्र दिवस विशेषांक

सम्पादकीय

जरा याद करो कुर्बानी ...

हर साल की तरह इस बार भी 26 जनवरी 2024 को दिल्ली के कर्तव्य पथ पर भारत ने अपना 75 वां गणतंत्र दिवस बड़े धूम धाम से मनाया | गणतंत्र दिवस, एक गौरवपूर्ण दिन, उन शहीदों को याद करने का दिन, जिन्होंने इस मातृभूमि को स्वतंत्र कराने के लिये अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया | उन वीरों को याद करने का दिन, जो हंसते हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए | उन माताओं को याद करने का दिन, जिन्होंने अपने लाल को इस मातृभूमि पर न्योछावर कर दिया | उन बहिनों को याद करने का दिन, जिनकी राखी रखी रह गयी | उन सुहागिनों को याद करने का दिन, जिनकी मांग सूनी हो गयी | उन यातनाओं को याद करने का दिन, जो अंग्रेजों द्वारा भारतवासियों को दी गयीं | २०० से अधिक वर्ष की कष्टसाध्य गुलामी के बाद हम स्वतंत्र हो पाए, तो इन बलिदानों के कारण | हमें स्वतंत्रता सहज नहीं मिली | यह लाखों देशवासियों के त्याग और बलिदान का परिणाम था | आज भगत सिंह, चन्द्र शेखर आज़ाद, अशफाक, महात्मा गाँधी, रानी लक्ष्मी बाई आदि आदि वीरों की कुर्बानी याद करने का दिन हैं| आज हम स्वतंत्र हैं | अपने बनाए संविधान के द्वारा अपना देश अपनी मर्जी से चला रहे हैं | देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है | हम हर क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं | इस आधुनिकता की दौड़ में विश्व से कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं | इतना सब होने पर भी हम जिस क्षेत्र में पीछे हो रहे हैं- वह है हमारे नैतिक मूल्यों की विरासत, जिसका दिन प्रति दिन ह्रास हो रहा है | स्वार्थपरता की भावना बलवती हो रही है | एकता के लिए आवश्यक तत्वों में कमी आ रही है | जो किसी भी राष्ट्र के लिए शुभ संकेत नहीं है | आइए गणतंत्र दिवस के इस पुनीत अवसर पर हम उन शहीदों को याद करें और शपथ लें कि हम कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जो देश हित में न हो | हमारा हर कदम देश की खुशहाली के लिए होगा| हम एक अच्छे नागरिक बनेंगे और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे | हम वीर शहीदों की कुर्बानियों को हमेशा याद रखेंगे | तभी यह पुनीत पर्व मनाना सार्थक होगा | ज़िन्दगी इतनी कठिन नहीं है कि हम सही रास्ते पर चल कर अपनी आवश्यकताएं पूरी नहीं सकते | यह ठीक है कि ईमानदारी की राह पर चलते हुए हमें कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन वे हमारी प्रगति में बाधक कदापि नहीं बन सकती|

बस आवश्यकता है मन में संकल्प लेने और उसे पूरा करने की| हमारे वीरों ने यदि भारत माता को स्वतंत्र कराने का संकल्प न लिया होता और वे सिर्फ अपने बारे में सोचते तो शायद हम आज भी गुलाम होते | लेकिन उन्होंने अपने सुखों को त्याग कर परिवार की चिंता त्याग कर देश को सबसे आगे रखा और इस देश को अंग्रेजों से मुक्त कराने के लिए अपनी जान की बाजी लगाने में पीछे नहीं रहे | आज वे हमारे बीच नहीं है लेकिन उनकी यादें हमारे साथ हैं | आइए उन्हें याद करें, उनके बलिदान को याद करें, उन्हें अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दें और यह संकल्प लें कि देश के लिए उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा| हम सब मिलकर रहेंगे और इस देश की खुशहाली के लिए कार्य करेंगे|

कवि प्रदीप ने ठीक ही लिखा है -
ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आँख में भर लो पानी
जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुर्बानी

जयहिंद वन्दे मातरम

संपादक

जनवरी माह की गतिविधियाँ

सुर्ख़ियों में

ज्ञानोदय विद्यालय प्रगति पथ पर अग्रसर

अत्यंत ही हर्ष का विषय है कि ज्ञानोदय विद्यालय, प्राचार्य डॉ अभिनव शुक्ल के नेतृत्व में निरंतर अपने प्रगति पथ पर आगे बढ़ते हुए देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में अपना स्थान बना रहा है| इसी क्रम में विद्यालय ने 'एक्सपीरियंस लर्निंग स्कूल' की श्रेणी में शहर मे प्रथम स्थान और राज्य में ११ वां स्थान प्राप्त किया है | यह पुरस्कार सी.ई.डी भारत इंस्टीट्यूट द्वारा वर्ष २०२२-२३ के लिए दिया गया | यह पुरस्कार १३ जनवरी २०२४ को लीला एम्बियेंस कन्वेंशन होटल दिल्ली में दिया गया | विद्यालय परिवार ने उन सबको बधाई दी जिन्होने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से विद्यालय की प्रगति में योगदान दिया |

ज्ञानोदय ट्यून्स और आइडियाथॉन लॉन्च इवेंट

ज्ञानोदय में, हम सिर्फ उद्यमिता नहीं सिखाते हैं; हम इस मार्ग पर सतत चलते हैं | हाल ही में ८ जनवरी, २०२४ को आयोजित ज्ञानोदय ट्यून्स और आइडियाथॉन लॉन्च इवेंट एक महत्वपूर्ण क्षण था, जिसने सिद्धांत को अभ्यास से जोड़ा, हमारे छात्रों के बीच उद्यमशीलता और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा दिया।

इस कार्यक्रम ने हमारे छात्रों की उद्यमशील यात्रा को प्रदर्शित किया, जिससे उन्हें उद्योग विशेषज्ञों, साथियों और शिक्षकों के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। ज्ञानवर्धक भाषणों, मनमोहक वीडियो प्रस्तुतियों और हार्दिक प्रशंसापत्रों ने इसमें शामिल सभी लोगों के लिए एक समृद्ध अनुभव तैयार किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

४ जनवरी २०२४ दिन - गुरूवार को ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्यालय में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया | यह प्रतियोगिता ४ जनवरी २०२४ को ज्ञानोदय स्कू ल में सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित की गयी इस गतिविधि में कक्षा ३ से ५ तक के ३६ विद्यार्थियों ने भाग लिया |

पर्यावरण शिक्षिका द्वारा इनमें से प्रत्येक कक्षा से ४-४ विद्यार्थियों का तार्किक क्षमता के आधार पर चयन किया गया |
यह प्रतियोगिता कक्षा-४ (ब) में तीन चरणों में आयोजित की गई | इस गतिविधि का उद्देश्य सामान्य ज्ञान के साथ साथ पर्यावरण के प्रति बच्चों को सचेत करना था साथ ही प्रतियोगियों की तार्किकता और मनः प्रेरक कुशलता का विकास करना था | इस गतिविधि द्वारा प्रतिभागियों में नेतृत्व एवं सामूहिक कार्य करने की क्षमता का विकास हुआ | इस गतिविधि में कक्षा ३ अ, कक्षा ४ ब, कक्षा ५ ब विजयी रहीं |
इस प्रतियोगिता की प्रभारी सुश्री खुशबू मंसूरी थीं |

ज्ञानोदय विद्यालय के छात्रों ने राष्ट्रीय कला प्रतियोगिता में जीते पुरस्कार

रेन मैग्रेट ने ठीक ही कहा है कि कला उस रहस्य को उजागर करती है जिसके बिना दुनिया का कोई अस्तित्व नहीं होता|

ज्ञानोदय विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने इसी पंक्ति को चरितार्थ करते हुए १६ वीं राष्ट्रीय छात्र कला प्रतियोगिता जो ललित कला सेंटर फॉर विजुअल आर्ट्स, बेंगलुरु, कर्नाटक द्वारा आयोजित की गयी थी, में कलरिंग एंड पेन्सिल शेडिंग कार्यक्रम के तहत प्रथम पुरस्कार स्वर्ण पदक, द्वितीय पुरस्कार रजत पदक और तीसरा पुरस्कार कांस्य पदक प्राप्त किया है | यह कला शिक्षक श्री प्रशांतसील और श्री मति स्वर्णाली सील के निरंतर प्रयास और मार्ग दर्शन के फलस्वरूप प्राप्त हुआ जिन्होने छात्रों को निरंतर निखारने में अपना सतत प्रयास जारी रखा|

कोड बताओ प्रतियोगिता

ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्यामंदिर में दिनांक ३ जनवरी २०२४ को कोड बताओ प्रतियोगिता हुई, जिसमें १६ छात्रों की सक्रिय भागीदारी थी, जिसमें कक्षा ११ के ८ और कक्षा १२ के ८ छात्र शामिल थे । प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित किया गया था, जिनमें से प्रत्येक समूह में दोनों कक्षाओं के छात्र शामिल थे, जिनके नाम इस प्रकार हैं|

<u>समूह अ</u> में कक्षा-११ के विद्यार्थियों में अनुष्का दांगी, पूर्वा राजपूत, श्रेया कुर्मी, ऋषिका कुर्मी, शेफाली जैन कार्तिक ठाकुर, आयुष जैन सुरभि पंथी थे|

<u>समूह ब</u> में कक्षा-१२ के विद्यार्थियों में, आगम जैन, शुभांशु जैन, शिद्देश जैन, आकाशी जैन, अंकुश पुरोहित, मनन जैन, अमन जैन, अर्घ जैन थे|

सभी टीमों को रणनीतिक सोच और टीम वर्क को प्रोत्साहित करते हुए निर्धारित समय सीमा के अन्दर हल करने के लिए चुनौतीपूर्ण कोडिंग समस्याओं का एक सेट दिया गया था। जबकि कोडिंग प्रतियोगिता प्राथमिक फोकस थी, सीधे तौर पर भाग नहीं लेने वाले अन्य छात्रों ने अपनी-अपनी टीमों का समर्थन करके कार्यक्रम की सफलता में योगदान दिया। उनके उत्साह और प्रोत्साहन ने एक जीवंत और सकारात्मक माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के बीच समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना था| प्रतियोगिता में श्री राहुल अग्रवाल ने निर्णायक की भूमिका निभाई | इस गतिविधि में उप प्राचार्य श्री विश्वनाथ पांडेय और श्री मती देबोलिना डे अतिथि के रूप में उपस्थित थे|

प्रभारी श्री विशाल कटारे

अंतर-सदनीय वाद-विवाद प्रतियोगिता

ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्यालय में ४ जनवरी को जीरो सिटिंग के दौरान स्कूल सिनेमा हॉल में अंतर सदनीय वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता कैम्ब्रिज प्रारूप में आयोजित की गई थी, जिसके लिए विद्यार्थियों ने एक महीने अभ्यास किया|

इस गतिविधि का विषय था - "किताबें फिल्मों से बेहतर हैं।" इस गतिविधि में लक्ष्मी सदन और टैगोर सदन ने अपने विचार व्यक्त किए । जबकि सरोजनी सदन और टैगोर सदन ने विपक्ष में अपने विचार व्यक्त किए । प्रतियोगिता की अध्यक्षता मास्टर अस्तित्व जैन कक्षा ११ ब ने की | इस गतिविधि में निर्णायक श्री जितेंद्र यादव और श्री रणवीर चक्रवर्ती थे। बहस के सफल समापन के बाद श्री जितेंद्र यादव ने छात्रों को उनकी रुचि और प्रयासों के लिए प्रोत्साहित किया और इसकी बेहतरी के लिए कुछ सुझाव भी दिए। इसे प्राचार्य, उप-प्राचार्य, समन्वयकों और छात्रों ने भी देखा। इस गतिविधि में १०१ अंकों के साथ विवेकानंद सदन विजेता रहा जबकि १०० अंकों के साथ सरोजनी सदन उप विजेता रहा | निर्णायकों ने विवेकानंद सदन के मास्टर आरुष सिंह कक्षा ९ स को सर्वश्रेष्ठ वक्ता जबकि टैगोर सदन के मास्टर अंशुमन दुबे को होनहार वक्ता घोषित किया गया|

ज्ञानोदय के विद्यार्थियों का कराटे चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन

ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्यालय के छात्रों ने इंदौर पब्लिक स्कूल, मुख्य परिसर, राजेंद्र नगर, राउ, इंदौर में एमेचर कराटे एसोसिएशन ऑफ एम.पी. द्वारा आयोजित सब जूनियर / कैडेट / जूनियर / सीनियर - २१ मध्य प्रदेश स्टेट कराटे चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया ।

विद्यार्थियों ने कुल ३ स्वर्ण पदक, ३ रजत पदक और ९ कांस्य पदक हासिल किए।

इस प्रतियोगिता में सम्मिलित ४२ जिलों के खिलाड़ियों में से ज्ञानोदय विद्यालय के खिलाडियों ने सागर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया इस प्रतियोगिता में अरिहंत जैन, कृष्णा सिंह दांगी, लक्ष्मण प्रसाद द्वारा जूनियर टीम काता बालक वर्ग स्पर्धा में ३ स्वर्ण पदक प्राप्त किए | व्यक्तिगत काता स्पर्धा में अरिहंत जैन और कुमिते स्पर्धा में संस्कार सिंह दांगी और कृष्णा सिंह दांगी ने ३ रजत पदक प्राप्त किए|

इसी श्रंखला में ९ कांस्य पदक अरिहंत जैन, लक्ष्मण प्रसाद अहिरवार, कृष्णा राजपूत और तन्मय शर्मा द्वारा व्यक्तिगत कुमिते स्पर्धा में प्राप्त किए । जबकि लक्ष्मण प्रसाद द्वारा व्यक्तिगत काता स्पर्धा में, व्यक्तिगत बालिका कुमिते स्पर्धा में अनामिका दांगी, वेदिका कुशवाह, जूनियर बालिका टीम काता स्पर्धा में अनामिका दांगी और वेदिका कुशवाह ने प्राप्त किए|

जागरण लेक सिटी द्वारा कार्यशाला आयोजित

ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्यालय विद्यार्थियों के लिए प्रतिवर्ष विभिन्न विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित करता रहता है | इसी क्रम में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए १७ जनवरी २०२४ को जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी की तरफ़ से ज्ञानोदय विद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया |

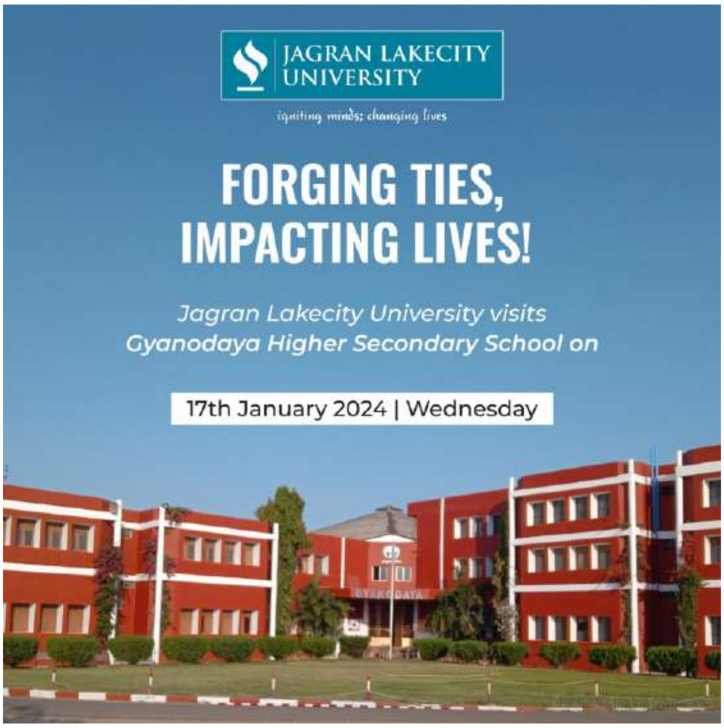

इस कार्यशाला में जागरण यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मौजूद थे जिन्होंने कॉलेज और कैरियर परामर्श पर एक सूचनापरक एवं महत्त्वपूर्ण कार्यस्धाला का आयोजन कर विद्यार्थियों को लाभान्वित किया | इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को कैरियर के विभिन्न क्षेत्रों की संभावनाओं से परिचित कराया गया |

अंतर्विद्यालयीन गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

दिनाँक २० जनवरी २०२४, दिन शनिवार को ज्ञानोदय हायर सेकेण्डरी स्कूल खुरई में अंतर - विद्यालयीन गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता में सागर जिले के विभिन्न स्कूल सम्मिलित हुए जिसमें दिल्ली पब्लिक स्कूल खुरई, वात्सल्य स्कूल सागर, डी.ए.वी. स्कूल बीना, निर्मल ज्योति स्कूल बीना, होली फैमिली कॉन्वेंट स्कूल खुरई, दिल्ली पब्लिक स्कूल सागर एवं मकरोनिया, पारस विद्या विहार स्कूल एवं आर्मी पब्लिक स्कूल सागर आदि के प्रतिभागी दलों ने हिस्सा लिया ।

प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि डॉ. हरिसिंह गौर वि.वि. के गणित विभागाध्यक्ष प्रोफेसर श्री दिवाकर शुक्ला जी ने कार्याक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से किया । प्रतियोगिता पाँच चक्रों में आयोजित की गई, जिसमें लगभग १६० से अधिक प्रश्नों को समाविष्ट किया गया । प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागी छात्रों का गणितीय तर्क कौशल का प्रदर्शन सराहनीय रहा ।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान डी.ए.वी. स्कूल बीना, द्वितीय स्थान पर पारस विद्या विहार, सागर एवं तृतीय स्थान निर्मल ज्योति स्कूल बीना ने प्राप्त किया ।

कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभिनव शुक्ल द्वारा सभी स्कूलों के प्रतिभागी दलों का आभार व्यक्त किया गया। प्राचार्य ने अपने संदेश में कहा कि अंग्रेजी, हिंदी और इतिहास जैसे अन्य विषयों की तरह गणित भी उतना ही मनोरंजक है और इस तरह की प्रतियोगिताएं इसे और मजेदार और रोचक बनाती हैं । छात्र अक्सर गणित से डरते हैं | अतः इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण होती हैं ।

इस गतिविधि में प्राचार्य द्वारा छात्रों को प्रश्नोत्तरी के विभिन्न लाभों से परिचित कराया गया एवं सभी विद्यालयों से विद्यार्थियों के हित में ऐसी अन्य गतिविधियों के आयोजन की अपील की गई। संस्था की प्रबंध कमेटी ने छात्रों के समुचित विकास के लिए भविष्य में अन्य विषयों पर भी अंतर विद्यालयीन प्रतियोगिताएं आयोजित करने का संकल्प लिया।

नृत्य गतिविधि

दिनाँक ३ जनवरी को दिन बुधवार को नृत्य गतिविधि का आयोजन किया गया|

इस गतिविधि द्वारा छात्रों ने अंकगणित के मौलिक भाग जैसे जोड़, घटाव, गुणा और भाग में कौशल प्राप्त किया | इस गतिविधि द्वारा छात्रों को गणित के संकेत और प्रतीकों की समझ और उनके अनुप्रयोग का ज्ञान होने में मदद मिलेगी|

उनमें अपने दैनिक जीवन में तर्कशक्त का विकास होगा। उन्हें पता चलेगा कि विभाजन वस्तुओं को समूहों में बाँटना है। छात्र यह जान पाएंगे कि विभाजन गुणा का प्रतिउत्तर है। इस गतिविधि के माध्यम से छात्र तर्कमय सोच, समस्या समाधान कौशल, सुनने की क्षमता, तेजी से प्रतिक्रिया देने की क्षमता, अंकगणित कौशलों की समझ विकसित हुई और मौलिक हिसाब करने में सक्षम हुए।

इस प्रतियोगिता में श्री मती स्वास्तिका ने निर्णायक की भूमिका निभाई | कार्यक्रम की प्रभारी सुश्री नयन सिंघई थीं|

खेल उत्सव एथलोस का भव्य कार्यक्रम संपन्न

ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्या मंदिर में दिनांक २७ जनवरी को खेल उत्सव कार्यक्रम 'एथलोस' संपन्न हुआ | कार्यक्रम प्रातः ९:३० पर मुख्य अतिथि श्री रवीश कुमार श्रीवास्तव एस.डी.एम. खुरई के आगमन के साथ शुरू हुआ | मुख्य अतिथि के द्वारा ज्ञानोदय विद्यालय के सभी सदनों के निरीक्षण के पश्चात् ध्वजारोहण किया गया|

विद्यालय के प्राचार्य डॉ अभिनव शुक्ल ने मुख्य अतिथि श्री रवीश श्रीवास्तव एस.डी.एम. खुरई को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया एवं उन्हें शॉल एवं स्मृतिचिह्न भेंट किया तथा विद्यालय के उप प्राचार्य श्री विश्वनाथ पांडेय ने चेयरमैन श्री मंत धर्मेन्द्र सेठ जी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया|

इसके पश्चात् विद्यालय के प्राचार्य डॉ अभिनव शुक्ल के द्वारा मशाल प्रज्ज्वलित की गई तत्पश्चात विद्यालय के प्राचार्य जी ने सभी सदनों को शपथ दिलाई| शपथ समारोह के बाद विद्यालय के चारों सदन लक्ष्मी, टैगोर, विवेकानंद और सरोजनी ने मार्च पास्ट किया |

चारों सदन अपनी पारंपरिक वेशभूषा में कदम ताल करते हुए अत्यंत मनमोहक लग रहे थे |

एथलोस कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग एवं कक्षाओं के लिए अनेक खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं जैसे - १०० मीटर फ़्लैट दौड़, काता, ५० एवं २०० मीटर बाधा दौड़, ५० एवं १०० × ४ मीटर रिले दौड़, रस्सी कूद आदि |

इसके अतिरिक्त नृत्य एवं योग प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रहे| खेल प्रतियोगिताओं में १६८.५ अंक लेकर लक्ष्मी सदन प्रथम स्थान पर, सरोजनी सदन १६३.५ अंक लेकर द्वितीय स्थान पर टैगोर सदन १४३.५ अंक लेकर तृतीय स्थान पर तथा विवेकानंद सदन १०८.५ लेकर चतुर्थ स्थान पर रहा | कार्यक्रम के अंत में विजेताओं की घोषणा प्राचार्य डॉ अभिनव शुक्ल द्वारा की गई एवं विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं ट्राफी देकर पुरस्कृत किया गया |

खेल उत्सव के इस कार्यक्रम एथलोस में मुख्य अतिथि एस डी एम् खुरई रवीश श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन द्वारा शिक्षण के साथ-साथ खेल के महत्त्व पर जोर दिया एवं विद्यालय में उपलब्ध खेल सुविधाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की | वहीं विद्यालय के चेयरमैन श्री मंत धर्मेन्द्र सेठ ने खेल के महत्त्व को दर्शाते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया | सम्पूर्ण कार्यक्रम अत्यंत शानदार रहा | बाहर से आए सभी अतिथिगणों ने विद्यालय के प्रयासों को सराहा एवं विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया | कार्यक्रम का संचालन डॉ कीर्तिवर्धन श्रीवास्तव एवं श्री रणवीर चक्रवर्ती ने किया |

धूमधाम से मना गणतंत्र दिवस समारोह

२६ जनवरी २०२४ को सारे देश के साथ ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्यालय में भी भारत के ७५ वें गणतंत्र दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया । स्कूल के प्रांगण में छात्र, शिक्षक, और कर्मचारी इस अवसर पर एकत्रित हुए। समारोह में सम्माननीय डॉ. अभिनव शुक्ल द्वारा ध्वजारोहण किया गया | ध्वजारोहण के बाद, छात्रों ने अपने अनुशासन और

समर्पण को एक मोहक मार्च पास्ट के माध्यम से दिखाया। हेड बॉय और हेड गर्ल के नेतृत्व में, मार्चिंग कॉन्टिंजेंट ने चार सदन - लक्ष्मी, सरोजिनी, टैगोर और विवेकानंद के बीच एकता और अनुशासन की भावना को प्रदर्शित किया, जो छात्रों के बीच एकता की भावना को दर्शाता है।

इस अवसर पर शिक्षकों और विद्यार्थियों के मध्य एक क्रिकेट मैच का भी आयोजन हुआ | शिक्षकों की टीम के कप्तान श्री शैलेन्द्र कुर्मी थे और विद्यार्थियों की तरफ से अंशुल गुरु ने कमान सम्भाली | दोनों टीम ने अपनी खेल कुशलता और मैत्री भाव का प्रदर्शन किया | दर्शकों ने सम्पूर्ण मैच का लुत्फ़ उठाते हुए तालियाँ बजाकर दोनों टीम का उत्साहवर्धन किया | मैच ने छात्रों और शिक्षकों के बीच सहयोग, सहनशीलता, और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में खेल के महत्व की याद दिलाई। यह मैच विद्यार्थियों ने तीन विकेट से जीता | ज्ञानोदय विद्यालय के गणतंत्र दिवस का उत्सव एक यादगार दिन था, जिसने छात्रों, शिक्षकों, और कर्मचारियों को एक-दूसरे के साथ एकता, भावनात्मकता, मैत्री और भावनात्मक सौहार्द को प्रदर्शित किया।

साहित्यिकी

विद्यार्थी कोना

मैं नारी हूँ

मैं स्त्री हूँ मैं नारी हूँ
मैं कली हूँ मैं फुलवारी हूँ
मैं दर्शन हूँ मैं दर्पण हूँ
मैं नाद हूँ मैं गर्जन हूँ
मैं बेटी हूँ मैं माता हूँ
मैं बलिदानों की गाथा हूँ
मैं द्रौपदी हूँ मैं सीता हूँ
पुरूषों की इस दुनिया ने मुझे कैसी नियति दिखलाई
कभी जुऐ में हार गये कभी अग्नि परीक्षा दिलवाई
कलयुग हो या सतयुग इल्जाम मुझी पर आता है
क्यों घनी अंधेरी सड़कों पर चलने से मन घबराता है
मैं डरती हूँ मैं मरती हूँ.......
अंधेरी सड़कों पर मुझे खून से तड़पता छोड़ दिया।
सन्नाटे में सीख रही थी खून से लथपथ काया
सबने तस्वीरें खीची लेकिन मदद को कोई नहीं आया
जब होश में आयी इस समाज की बातें सुनकर टूट गई
परिवार की बदनामी होगी सब यही मुझे समझाते हैं
यह नयी उम्र के लडके थोड़ा बहक ही जाते हैं।
तुम लड़की हो तुम भूल जाओ
दुनिया वाले तुम पर ही प्रश्न लगाऐंगे।
क्यूं निकली रात में, क्या मेकअप, क्या कपड़े पहने थे
प्रश्नो के भुलभुलईया में सच्चाई कहीं खो जाती हैं।
भूल जाओ कहने वालों क्या तुम्हें लज्जा नहीं आती हैं।
कैसे भूलूँ उन रातों को, कैसे भूलूँ उन तकलीफों को,
मुझसे छूते उन हाथों को,
कैसे भूलूँ उन चिकन को कैसे भूलूँ ......
सब भूल जाओ, सब भूल जाओ कहने वालों।
याद रखो आखरी गलती आपकी भी हो सकती है
कल सड़क पर बेसुध बहन या बेटी आपकी भी हो सकती है।
और उससे बदतर दर्द नहीं हो सकता
जो नारी का सम्मान नहीं करे, वो मर्द नहीं हो सकता..।

संकलन - मोक्षा जैन कक्षा ८ (सूर्यप्रकाश)

मेरी कक्षा एल.के.जी. से दसवीं तक की यात्रा

मैंने एल.के.जी. कक्षा में श्री गणेश विद्या मंदिर में प्रवेश लिया | वहाँ शिक्षा के साथ संस्कार भी मुझे मिले | शुरू से ही मैं अपनी कक्षा की टॉपर थी|

इस दौरान मैंने अपनी लिखावट और किताबें पढ़ने पर भी ध्यान दिया | मेरे हमेशा ९० प्रतिशत से ज्यादा अंक परीक्षा में आया करते थे | हाँ मगर कक्षा आठवीं में तिमाही परीक्षा में मेरे ८८ प्रतिशत अंक आए थे|

मैं कक्षा में तीसरे स्थान पर आई थी | मैं उस वक्त बहुत रोई थी | उसके बाद मैंने ठान लिया था कि मुझे अब कक्षा में प्रथम स्थान पर आना है |

मैंने ठण्ड में रात में जाग जाग कर पढाई की और फिर मेरे ९३ प्रतिशत अंक आए और मैं कक्षा में प्रथम स्थान पर आई|

इस विद्यालय में आगे अंग्रेजी माध्यम न होने पर मैं कक्षा नवीं से ज्ञानोदय सर्वमंगल विद्या मंदिर विद्यालय में आई | यहाँ का वातावरण पुराने विद्यालय से भिन्न था|

मैंने यहाँ स्वयं को एक टॉपर नहीं बल्कि एक औसत विद्यार्थी पाया | वार्षिक परीक्षा के समय पर बीमार होने के कारण मेरे सिर्फ ८५ प्रतिशत अंक ही आए|

अब मैं कक्षा दसवीं में आ गयी हूँ | दसवीं के पहले यूटी परीक्षा में मैं कुछ ख़ास प्रदर्शन नहीं कर पायी | लेकिन दूसरे यूटी की परीक्षा में मैं प्रथम आई | इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा|

इस तरह मेरे अब तक के विद्यालय जीवन में काफी उतार चढाव आए | लेकिन अब मैंने ठान लिया है कि आगे कड़ी मेहनत करनी है और प्रत्येक परीक्षा में सर्वोच्च अंक लाने हैं|

-जयलक्ष्मी राजपूत कक्षा १० अ

चुटकुला

पंडित जी ने कुंडली मिलाई, तो छत्तीस के छत्तीस गुण मिल गए |लड़के वालों ने शादी करने से मना कर दिया | लड़की वाले हैरान होकर पूछने लगे –"जब सारे गुण मिलते हैं, तो आप मना क्यों कर रहे हैं ?" लड़के वाले –"हमारा लड़का पूरी तरह से लफंगा है, अब क्या बहू भी उस जैसी लफंगी ले आएं ?"

–वेदिका कुशवाहा कक्षा ७ अ

समय का सदुपयोग

जीवन एक कलम के जैसा है | जबतक चल रहा है तब तक तो ठीक जब वह ख़तम हुआ तो नया ले लिया | वैसे ही जबतक हम जीवित हैं, तब तक तो सब ठीक बाद में फिर से नया जन्म ले कर आते हैं | वास्तव में जीवन में समय का बड़ा महत्व है | बड़े बड़े महान पुरुषों जैसे ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी ने कहा था कि अगर आप गरीब घर में जन्म लेते हो तो वह आपकी गलती नहीं है पर गरीबी में ही आपकी मृत्यु हो जाए तो वह आपकी गलती है| कहने का तात्पर्य यह है कि ईश्वर ने सबको एक जैसा बनाया है | तो हमें समय का उपयोग अच्छी तरह करना चाहिए, जिससे हम अपने माता - पिता का नाम रोशन कर सकें और माता - पिता से कह सकें कि आपने हमारे लिए बहुत मेहनत की है | अब आप कुछ भी काम नहीं करोगे अब हमारी बारी है | हम सब काम करेंगे|

-ओजस जैन कक्षा ७ अ

शिक्षक कोना

स्मरणीय

मेहनत करने वाले का कल है ।
बेकार लगता पानी बिन नल है ।।
ध्यान सदा ही इस बात का रखना ।
इस जीवन का कीमती हर पल है ।।

सुख तो उसे भी कभी नहीं मिलता ।
दूसरों से करता जो भी छल है ।।
आज जहाँ देखिए भीड़ खड़ी है ।
जनसंख्या तो टिड्डियों का दल है ।।

दूसरों पर जो भी निर्भर रहता ।
यहाँ दुनिया में सबसे निर्बल है ।।
संजय कुदरत का तो खेल निराला ।
कहीं रेगिस्तान तो कहीं जल है

-डॉ संजय तिवारी

मकर संक्रांति का आध्यात्मिक महत्व : एक दृष्टिकोण

मकर संक्रांति एक विशेष अवसर है, जो हर वर्ष समयानुसार निर्धारित होता है। इसके बहुत सारे महत्त्व हैं जो ज्योतिषीय, आध्यात्मिक और सामाजिक हैं। १४ जनवरी को (ईसाई कैलेंडर के अनुसार)। प्रत्येक वर्ष जब सूर्य निर्माता राशि (मकर) में वृत्ताकार पथ में प्रवेश करता है तो मकर संक्रांति के रूप में उत्सव मनाया जाता है|

जब सूर्य उत्तर (उत्तरायण) की ओर बढ़ता है तो हिंदू इसे अच्छे समय के रूप में मनाते हैं । सामाजिक दृष्टि से इसे तमिलनाडु में पोंगल और असम में बिहू के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार तब मनाया जाता है, जब शीत ऋतु अपने चरम पर होती है। इसलिए किसान घर के कई सामान खरीदकर त्योहार का आनंद लेते हैं | लोग सर्दी के मौसम में बदलाव चाहते हैं, जब जिम्मेदारियां कम हो जाती हैं। रबी फसल की कटाई अभी बाकी है, इसलिए वे भोजन करके, घूमकर और खाद्य पदार्थ वितरित करके मिलजुलकर यह त्योहार मनाते हैं|

इस दिन लोग नदी के संगम में स्नान करते हैं, जो दर्शाता है कि सौहार्द्र होना चाहिए| हालाँकि हमारे बीच व्यक्तिगत मतभेद हैं। हम तिल के लड्डू खाते हैं मतलब आत्मा छोटी है लेकिन सबके अंदर आत्माओं के मिलन के रूप में रहती है | हम अनेक रंगों की पतंगें उड़ाते हैं अर्थात् उच्च भावना तभी संभव है जब हम व्यक्तिगत मतभेदों को स्वीकार करें और उनका सम्मान करें। संक्रांति पर हम गाय यानि जानवरों को सजाते हैं|

जो हमारे दोस्त हैं । लोग खिचड़ी खाते हैं, इसका मतलब है कि सभी भोजन और ज़रूरतें एक साथ पूरी हो सकती हैं | लोग झाड़ू खरीदते हैं, यानी हमें अपने मस्तिष्क की निरंतर सफाई की आवश्यकता है। लोग दान करते हैं | इसका मतलब है कि हम अपने गरीब भाई-बहनों को प्यार करते हैं | हमें उनका सहयोग करना चाहिए ।

हिंदू धर्म और भारत में बहुत सारे त्योहार किसी न किसी आध्यात्मिक अर्थ के साथ मनाए जाते हैं, पर लोगों ने इनके महत्त्व को भुला दिया है|

-श्री निराकार पटनायक

निवेदन

यद्यपि पत्रिका में कोई त्रुटि न रह जाए, इसका पूरा ध्यान रखा गया है | फिर भी भूल वश कोई त्रुटि रह गई हो तो संपादक मंडल क्षमा प्रार्थी है|

ज्ञानेन पुंसां सकलार्थ सिद्धि :

संपादक संरक्षक - प्राचार्य,
ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खुरई

मुख्य संपादक - डॉ. कीर्तिवर्धन श्रीवास्तव

छात्र संपादक - अर्हम जैन

सहयोग - हिंदी विभाग

तकनीकी सहायता - श्री विशाल कटारे एवं तकनीकी विभाग

छायांकन - श्री प्रशांत सील एवं विद्यार्थी

www.facebook.com/gyanodayakhurai
gyanodayaprincipal@gmail.com
www.gyanodayakhurai.org
youtube.com/UC_7RhrC1nipjZTanSKoEVEA
gyanodayakhurai/9826829441
gyanodayacampuscare.in
Gyanodaya khurai
9826829441, 07581-292149,292154

अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु क्यू आर को स्केन करें|

ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खुरई, सागर (म.प्र.)